राजस्थान सरकार

सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय,झुंझुनू

शहीद शीशराम वर्मा की चारणवास गांव में राजकीय सम्मान के साथ अन्त्येष्टि

झुंझुनू, 15 फरवरीः 75 वीं मिडियम रेजिमेण्ट के सुबेदार शहीद शीशराम वर्मा का अन्तिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ सोमवार को पातुसरी ग्राम पंचायत के उनके पैतृक गांव चारणवास में किया गया। इस अवसर पर रेजीमेण्ट और राजस्थान पुलिस के जवानों की टुकड़ियों ने संयुक्त रूप से शहीद के सम्मान में गार्ड ऑफ ऑनर दिया तथा हवाई फायर किये।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार शर्मा, आपदा प्रबन्धन एवं सहकारिता राज्य मंत्री बृजेन्द्र सिंह ओला, जिला प्रमुख हनुमान प्रसाद, पूर्व जिला प्रमुख डॉ. राजबाला ओला, झुंझुनू प्रधान सुशीला सीगड़ा, मण्डावा विधायक रीटा चौधरी, जिला कलेक्टर आलोक गुप्ता, अपर पुलिस अधीक्षक बिहारी लाल वर्मा, झुंझुनू के तहसीलदार महेन्द्र मीणा, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी मेजर प्रताप सिंह सहित अनेक जन प्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, गौरव सेनानियों तथा ग्रामीणों एवं उनकें परिजनों ने शहीद की पार्थिव देह पर पुष्पचक्र एवं मालाएं चढ़ाकर उन्हें अपनी श्रद्धाजंलि अर्पित की। शहीद की शव यात्रा में भारत माता की जय और शहीदों की जय जयकार के नारे गूंज रहे थे। इससे पूर्व परिजनों व ग्रामीणों ने घर के आंगन में रखे गये शहीद के शव के अन्तिम दर्शन करके अंतिम बार नमन किया। शहीद शीशराम के पुत्र संदीप कुमार व अनिल कुमार ने अपने शहीद पिता की चिता को मुखाग्नि दी। शहीद के परिवार में उनके पिता हरीराम (70 वर्ष), उनकी वीरांगना भगवती देवी (47 वर्ष) पुत्री सुमन (17 वर्ष) है। शहीद शीशराम वर्मा 30 अप्रेल 1983 को भर्ती हुये थे।

75 वीं मिडियम रेजिमेण्ट के सुबेदार मोहनलाल व सुबेदार बलवान सिंह ने बताया कि शहीद सुबेदार शीशराम वर्मा जम्मू कश्मीन के कूपवाडा सैक्टर में तंगधार वेली में साधना पोस्ट की रेखा 2 पर 10 हजार फीट की ऊंचाई पर तैनात थे। जहां उनकी हिमस्कलन के कारण 7 फरवरी की रात 2 बजे शहीद हो गये थे। उनका पार्थिव शव सोमवार को दिल्ली से सड़क मार्ग द्वारा दोपहर में उनके घर पहुंचा था।